

फर्द अहकाम

राजस्थान कलक्टर
जयपुर

मी. चन्द

बनाम सरकार

ता / वर्ष

69 / 2020

नांक आज्ञा
कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

द्वारा पेश हुई। समस्त वादीगण
पक्षकारों- मय अधिवक्ता श्री
अजयसिंह जी एवं श्री बंशीधर जी का
उपस्थित। वादीगण श्री ओर से
रुका प्रार्थनापत्र- वादपत्र वापस कर
लिया जाय प्रस्तुत करने श्री-
अनुमति बाबत - दिनांक 25/2/2021
को पेश किया गया। प्रार्थनापत्र
मय पत्रावली का अवलोकन
किया गया। उपरोक्त वाद 13/11/2021
को पूर्व खजिस्तार हुआ तथा
7/6/2010 का वही न्यायालय
द्वारा वाद खारिज कर दिया
गया। जिसकी अपील RAA, जयपुर
द्वारा पेश की गई। दिनांक 10/9/2020
को श्रीमान राजस्व अपील अधिकाारी
RAA, जयपुर ने वक्त न्यायालय
के पूर्व निर्णय दिनांक 7.6.2010
को निरस्त करते हुए पक्षकारों को
ज्ञा: सुनकर निर्णय देते हुन:
अस्मानद किया था। वही आदेश
के क्रम में पत्रावली 10.9.2020
को हुन: पूर्व हुन तथा पक्षकारों
को जरिये कोर्ट नोटिस हुन। मेरी।



राजस्थान कलक्टर
जयपुर

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	<p>रक्षी क्रम में पत्रावली 4.12.2021 से साक्ष्यवादी देतु नियत थी, आज दिनांक 25.2.2021 को समस्त वादीगणों द्वारा उपरोक्त वाद वापस लेने देतु जारीये प्रार्थनापत्र निवेदन किया जिसमें यह उल्लेखित किया कि "वादपत्र घोसणा का राज्यसंकाय के विरुद्ध है, जिससे लिए वादपत्र उस्तुत करने से पूर्व धारा - 01(2) CPC का दो माह का नोटिस दिया जाना आवश्यक है जो संवदन से वादीगण के अधिकारों द्वारा नष्टी विभा गथा है, जिससे वादीगण के अधिकारों पर विपरित प्रभाव पडा है।" प्रार्थनापत्र के मद्रक में वादीगण द्वारा निवेदन किया वापस वादीगण वादपत्र वापस लेना धारा - 01(2) CPC का नोटिस राज्यसंकाय को देने के पश्चात नया वाद उस्तुत करना चाहिए है। वादीगण/वादीगण की प्रार्थना रक्षी क्रम वादपत्र को वापस किये जाने व नया वादपत्र उस्तुत करने की अनुमति अभाषित के विभा जान आवश्यक है।"</p>
----------	---------------------------	---



सहायक न्यायाधीश
आदर 3

फर्द अहकाम

सहायक कलक्टर
आगर मु. जयपुर

जमीन्दार बनाम सरकार

ख्या / वर्ष : 69 / 2020

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>पत्रावली. मध्य प्रशासन का अवलोकन किया तथा पाया कि उपरोक्त याददास्ती बनाम सरकार की है जिसमें वादीगण को लगभग 10 वर्ष पश्चात पें खात हुआ कि वादपत्रकार को धारा 10(2) CPC का नोटिस नहीं दिया गया तथा वही को आधार बनाकर याददास्ती लौटा (withdrawal) पाएते हैं वो भी- तथा वादपत्रकार को करने की अनुमति के साथ।</p> <p>उपरोक्त न्यायालय वस्तु प्रशासन को को आदेशित रूप से मात्र वादपत्र वापस करने की अनुमति बाबत स्वीकार करती है। परंतु तथा वादपत्र- उस्तुत करने की अनुमति उक्त नहीं करती है।</p> <p>पत्रावली फॉरमल शुगरात दोन- नम्बर से कम है।</p>	



[Signature]
सहायक कलक्टर
आगर मु. जयपुर